मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

CBKG–001

भारतीय कालगणना में प्रमाण-पत्र कार्यक्रम

(सी. बी. के. जी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

सी.बी.के.जी.-001 : भारतीय एवं वैश्विक परिप्रेक्ष्य में काल-चिन्तन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 70*

नोट : *किन्हीं* ***सात*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

---

1. वेदांग का स्वरूप बताते हुए काल की वैदिक अवधारणा का विश्लेषण कीजिए।

2. पुराणों की वर्णन शैली का स्वरूप लिखते हुए पुराण के अनुसार काल का स्वरूप लिखिए।

3. काल–सम्बन्धी सेमेटिक मतों की अवधारणा लिखिए।

4. ज्योतिष से क्या अभिप्राय है ? किन्हीं **दो** ज्योतिष ग्रन्थों का परिचय दीजिए।

5. सूर्य की संक्रान्तियों का वर्णन कीजिए।

6. पृथ्वी की दैनिक तथा वार्षिक गति का उल्लेख कीजिए।

7. सृष्टि रचना की अवधारणा के कालगणना पर पड़ने वाले प्रभाव का विश्लेषण कीजिए।

8. भारतीय मत में काल की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

9. ग्रह की परिभाषा देते हुए राहू और केतु के स्वरूप को लिखिए।

10. राशियों के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

× × × × ×